हिमाचल अभी अभी

ABHI ABHI

/himachal.abhiabhi @himachal_abhi

नई सोच नई खोज

साप्ताहिक

ये हैं विश्व प्रसिद्ध 9 शिव मंदिर, जहां शंकर की सबसे बड़ी मूर्ति स्थापित हैं -पढ़ें पेज 4

RNI No. HPHIN/2015/68432 वर्ष 10 अंक 31 कांगड़ा। शनिवार, 30 नवंबर-06 दिसंबर, 2024 www.himachalabhiabhi.com तदनुसार 15 मार्गशीर्ष, विक्रमी संवत् 2081 कुल पृष्ठ 4 मूल्य ₹5 | Postal Regn.No. DGPUR/26/24-26

विवाह पंचमी

यह तिथि सनातन धर्म में बहुत महत्व रखती है, क्योंकि ऐसा माना जाता है कि इस मौके पर सीता-राम को समर्पित पूजा अनुष्ठान करने से वैवाहिक जीवन की सभी बाधाएं दूर होती हैं। साथ ही आशीर्वाद प्राप्त होता है....

विवाह पंचमी भगवान राम और माता सीता की शादी की सालगिरह का शुभ अवसर है, जो मार्गशीर्ष (अगहन) महीने में शुक्ल पक्ष के पांचवें दिन को मनाया जाता है। यह तिथि सनातन धर्म में बहुत महत्व रखती है, क्योंकि ऐसा माना जाता है कि इस मौके पर सीता-राम को समर्पित पूजा अनुष्ठान करने से वैवाहिक जीवन की सभी बाधाएं दूर होती हैं। साथ ही आशीर्वाद प्राप्त होता है। जब इस पावन दिन को लेकर कुछ ही दिन शेष रह गए हैं, तो आइए इस दिन किन बातों का ध्यान रखना चाहिए उनके बारे में जानते हैं।

हिंदू पंचांग के अनुसार, मार्गशीर्ष माह के शुक्ल पक्ष की पंचमी तिथि 05 दिसंबर को दोपहर 12 बजकर 49 मिनट पर शुरू होगी। वहीं, इस तिथि का समापन अगले दिन यानी 06 दिसंबर को दोपहर 12 बजकर 07 मिनट पर होगा। पंचांग को देखते हुए 06 दिसंबर को विवाह पंचमी मनाई जाएगी। शास्त्रों के अनुसार यह वही दिन है जब भगवान श्रीराम और मां सीता का विवाह हुआ था।

विवाह पंचमी पर क्या करें?

- विवाह पंचमी पर उपवास रखना शुभ माना जाता है।
- इस दिन प्रभु राम और देवी सीता की विधिवत पूजा करनी चाहिए।
- इस दिन ज्यादा से ज्यादा धार्मिक कार्य करने चाहिए।
- इस दिन ब्रह्मचर्य का पालन करना चाहिए।
- इस दिन गंगा नदी में पवित्र स्नान करना चाहिए।
- इस पावन तिथि पर सात्विक भोजन ही ग्रहण करना चाहिए।
- इस दिन असहाय लोगों की मदद करनी चाहिए।
- इस दिन रामसीता के मंदिरों में दर्शन के लिए जाना चाहिए।

विवाह पंचमी पर क्या न करें-

- इस शुभ दिन पर भूलकर भी तामसिक भोजन जैसे - अंडा, प्याज, लहसुन और मांस आदि का सेवन न करें।
- इस तिथि पर शराब का सेवन करने से बचना चाहिए।
- इस दिन बाल और नाखून नहीं काटने चाहिए।
- इस दिन जीवनसाथी के साथ विवाद करने से भी बचना चाहिए।
- इस दिन जुए नहीं खेलना चाहिए।
- इस दिन बड़ों का अपमान करने से बचना चाहिए।

■ पं. कुलदीप शास्त्री